

नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

तियानजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन की बैठक केवल एक औपचारिक मंच नहीं रही, बल्कि यह वैश्विक शक्ति समीकरणों में भारत की नई भूमिका का संकेतक बनी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जिस दृढ़ता और स्पष्टता के साथ आतंकवाद पर दो-दूक रुख अपनाया, वह भारत की विदेश नीति में 'रक्षात्मक रणनीति' से 'प्रोएक्टिव डिटेरेंस' की ओर बदलाव का प्रतीक है। जयशंकर का वक्तव्य केवल पाकिस्तान को नहीं, बल्कि उन वैश्विक और क्षेत्रीय ताकतों को भी सीधी चेतावनी है, जो आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मानदंड अपनाती हैं। पहलगांम हमले का जिम्मेदार ठहराते हुए उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद को किसी भी भीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा और आवश्यक हुआ तो कठोर जवाबी कार्रवाई करेगा। यह संकेत है कि भारत अब आतंकवाद को केवल सुरक्षा चुनौती नहीं, बल्कि अपनी संप्रभुता पर सीधा

आतंकवाद के मुद्दे पर भारत के खरे बोल

हमला मानता है। दरअसल, 'ऑपरेशन सिंदूर' को सही ठहराना केवल सैन्य निर्णय का बचाव नहीं था, बल्कि एक रणनीतिक संदेश भी था—यदि भारत पर हमला होगा, तो जवाब उसी पैमाने पर दिया जाएगा। भारत का यह आक्रामक रुख केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं रहा। जयशंकर ने बैठक में 'संप्रभु समानता' और 'क्षेत्रीय अखंडता' का मुद्दा उठाकर चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव को अप्रत्यक्ष चुनौती दी। यह भारत की उस स्थायी नीति की पुनर्पुष्टि है जिसमें किसी भी बहुपक्षीय सहयोग को संप्रभुता से समझौता करके स्वीकार नहीं किया जाएगा। यह रुख खासतौर पर महत्वपूर्ण है क्योंकि चीन लगातार पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर में

परियोजनाओं के जरिए भारत की संवेदनशील सीमाओं पर अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। जयशंकर का वक्तव्य तीन स्तरों पर असर डालेगा, पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश कि सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के बाद अब ऑपरेशन सिंदूर भारत की नई आक्रामक नीति का हिस्सा है। भारत केवल आर्थिक भागीदार नहीं, बल्कि सुरक्षा और संप्रभुता के मुद्दों पर कठोर रुख अपनाने वाला राष्ट्र है और भारत की नीति अब केवल विकास-केंद्रित नहीं, बल्कि सुरक्षा, स्थिरता और आतंकवाद-रोधी एजेंडा पर केंद्रित हो रही है। इससे भारत को पश्चिमी देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों का समर्थन मिलेगा। आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस को लेकर केवल बयान नहीं, बल्कि सैन्य और

आर्थिक जवाब भी दिया जाएगा। विश्व मंचों पर भारत की आक्रामक मौजूदगी रहेगी। कुल मिलाकर, भारत की विदेश नीति अब संतुलनकारी शक्ति से आगे बढ़कर निर्धारित रणनीतिक भूमिका की ओर बढ़ रही है। यह संकेत है कि भारत न केवल पृथिवी की भू-राजनीतिक गणनाओं में बल्कि वैश्विक स्थिरता में भी निर्णायक कारक बनने को तैयार है। दरअसल जिस तरह से एस जयशंकर ने चीन के सामने पाकिस्तान की हेकड़ी निकाली, उसकी प्रशंसा की जानी चाहिए। भारत के विदेश मंत्री ने पाकिस्तान को राष्ट्रपति शी जिनिपिंग के सामने कड़ा संदेश देते कहा कि भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। जयशंकर ने कहा कि भारत आतंकियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करेगा। भारत की इस लड़ाई के बाद पाकिस्तान के सुर बदले-बदले दिखें।

आधार की धार पैनी करने की आवश्यकता है!



राजीव खण्डेलवाल

उच्चतम न्यायालय से लेकर सर्वथा चर्चा चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (सर) की अभूतपूर्व कार्रवाई की है। यद्यपि चुनाव आयोग का यह दावा है कि इसी तरह की प्रक्रिया वर्ष 2003 में बिहार में की जा चुकी है। अतः यह अभूतपूर्व नहीं है, जैसा कि विपक्षी दलों के कुछ नेतागण दावा कर रहे हैं। यद्यपि उक्त कदावत लगभग 1 वर्ष में 2004 के लोकसभा चुनाव के पूर्व पूरी हो गई थी। तथापि इस सूची के आधार पर ही पूरे देश के लोकसभा चुनाव वर्ष 2024 में हो चुके हैं। फिर वर्ष 2024 के बाद भी मतदाता सूची का सामान्य सत्यापन जिसे विशेष सारांश पुनरीक्षण एस.एस.आर 2025 चुनाव आयोग करा चुका है।

द रिपोर्टें संकलित्व की एक रिपोर्ट के अनुसार यह एक नियमित प्रक्रिया है। परिणाम स्वरूप जनवरी 2025 तक यह मतदाता सूची मजबूत व अद्यतन मानी गई। आम मतदाता चुनाव आयोग की इस नए अभियान से आधार के आधार पर मिले मताधिकार के कारण एक नागरिक होने के नाते सरकारी योजनाओं से मिलने वाली सुविधाओं के

आधार में गड़बड़ी, जालसाजी नकारने का आधार नहीं हो सकता है— सही कहा है; खटमल के कारण खटिया वयों मार खाये? बात जहां तक गड़बड़ी की है, वह गड़बड़ी, जालसाजी सिर्फ आधार कार्ड तक ही सीमित नहीं है, वह हर पहचान पत्र के साथ हो सकती है। बल्कि वक्की में से भी साबुत निकल आये की हद तक जुड़ी हुई है। जब देश में कोई भी नया कानून बनाया जाता है, तब उसके दुरुपयोग की संभावनाएं कहीं न कहीं रहती ही हैं। परन्तु इस आधार पर कोई कानून ही न बनाया जाए ऐसा नहीं होता है। यही सिद्धांत आधार को आधार मानकर लागू करना चाहिए और जहां भी गड़बड़ी की कोई सूचना चुनाव आयोग के पास है, वयोंकि यह अधिकार उसी के पास है कि वह मतदाता सूची की गड़बड़ियों, गलतियों को ठीक करें, गाय को अपने सींग भारी नहीं होते, ऐसे गलत अवैध आधार कार्ड के आधार पर मतदाता सूची से नाम निरस्त करें। परन्तु आधार का आधार मजबूत कर धार-दार बनायें।

प्रति वह चिंतित है। क्या चुनाव आयोग अब 'आधार' को निराधार ठहराने का प्रयास कर रहा है? जैसा कि कुछ विपक्षी नेता आरोप लगा रहे हैं, यह तो जिन को वापस बोलने में डालने जैसा है। चुनाव आयोग ने अनजाने में ही विपक्षी दलों को जो अभी से मतदाता को चेता रहे हैं कि तेरी गठनी में लगा चोर, मुसाफिर जाग जरा, को चुनाव आयोग व सत्ता पक्ष के विरोध में एक चुनावी हथियार बिहार में होने वाले आगामी विधानसभा के आम चुनावों के लिए ही दे दिया है। बिहार, जिसमें हार शब्द शामिल है, विपक्ष के शब्दों में चुनाव आयोग इस हार को किस तरह, किसके पक्ष में प्रभावित करेगा या किसके गले में हार पहनाया, इसकी सत्यता फिलहाल समय के गर्भ में है?

2009 में यूपीए सरकार ने आधार कार्ड की योजना को लागू किया गया था। तथापि तत्समय भाजपा ने आधार परियोजना का स्पष्ट रूप से समर्थन नहीं किया था। विपक्ष में होने के नाते, भाजपा ने आधार कार्ड की शुरुआत के दौरान निजता, डेटा सुरक्षा, और इसके अनिवायता को लेकर चिंताएँ व्यक्त की थीं। हालाँकि, 2014 में सत्ता में आने के बाद भाजपा ने आधार को न केवल अपनाया बल्कि इसका विस्तार भी किया और 2016 में आधार अधिनियम को पारित करवाकर इसे कानूनी मान्यता दी। चुनाव आयोग ने अगस्त 2022 में स्वयं मतदाता सूची को आधार कार्ड से जोड़ने की स्वेच्छिक प्रक्रिया प्रारंभ की है। वैसे चुनाव आयोग ने कभी भी न तो आज और न ही इसके पूर्व सिर्फ आधार के आधार पर

मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया को लागू किया है। आधार सिर्फ व्यक्ति की पहचान व निशान को प्रमाणित करता है। इससे ज्यादा कुछ नहीं। नागरिकता को कदापि नहीं! तथापि आधार सहायक दस्तावेज के रूप में किसी भी पहचान पत्र का एक महत्वपूर्ण भाग अवश्य रहा है। वास्तव में आवश्यकता आज इस बात की थी कि आधार का आधार क्षेत्र बढ़ाकर व्यापक किया जाकर उसे एक पूर्ण स्वतंत्र कार्ड के रूप में स्वीकार किया जाकर मान्यता दी जानी चाहिए। माननीय न्यायाधिपति धुरिया का यह कथन अपने आप में ही बहुत ही महत्वपूर्ण है कि आप जो दस्तावेज मांग रहे हैं, अगर मुझे मांगें तो मेरे पास भी नहीं मिलेगा। इससे आधार कार्ड की महत्ता, सुलभता व उपयोगिता सिद्ध होती है।

आधार का आधार-व्यापक क्षेत्र बढ़ाया जाना चाहिए— चोटर आईडी जो स्वयं चुनाव आयोग द्वारा जारी किया गया है, उसे भी वर्तमान पुनरीक्षण में चुनाव आयोग स्वीकार करने से इंकार कर रहा है। इसे समझदारी पूर्ण निर्णय नहीं कहा जा सकता है। यह ठीक उसी प्रकार हो रहा है, जिस प्रकार भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के समय यह तय किया था कि पाकिस्तान सेना या नागरिकों पर हमला नहीं करेगा, सिर्फ आतंकी आतंकियों और आतंकी स्थल को टारगेट किया जाएगा। (लेखक कर सलाहकार एवं पूर्व नगर सुधार न्यास अध्यक्ष हैं)

बुनियादी शिक्षा में कमजोरी चिंताजनक

देश की स्कूलों में बुनियादी साक्षरता व गणित को लेकर चिंताजनक स्थिति बनी हुई है। परख आरएस की ओर से किए गए सर्वेक्षण में देश के राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की निजी व सरकारी स्कूलों के कक्षा 3, 6 व 9 के 21, 15, 022 छात्रों को शामिल किया गया। इनमें कक्षा 3 के छात्र अपेक्षाकृत बेहतर रहे लेकिन उनमें से भी 55 प्रतिशत 99 तक के अंक ऊपर व नीचे गिन व पहचान सके। 58 फीसदी छात्र दहाई अंकों का जोड़-घटाना कर पाए। इसके विपरीत कक्षा 6 के छात्र बड़ी संख्याएं पढ़ नहीं पाए तथा 43 प्रतिशत पाठ्यपुस्तक का मुख्य विषय समझ नहीं पाए। 51 प्रतिशत छात्रों को नदियों, पर्वतों की पहचान या पंचायत के संबंध में जानकारी नहीं थी। 9वीं कक्षा के 63 प्रतिशत छात्र गणित में काफी कमजोर पाए गए। इसके लिए शिक्षा प्रणाली को दोष दिया जा रहा है। शिक्षकों की तदाद में कमी, प्रशिक्षित शिक्षकों का अभाव, छात्रों की अज्ञानता की प्रमुख वजह है। एकीकृत जिला सूचना प्रणाली के अनुसार

प्राथमिक शालाओं के एकतिहाई शिक्षकों के पास आवश्यक अध्यापन डिग्री नहीं है। बिहार और मध्यप्रदेश में यह प्रतिशत और भी ज्यादा है। इन राज्यों के 50 प्रतिशत शिक्षकों के पास डीएड, बीएड जैसी योग्यता नहीं है। लगभग 45 प्रतिशत स्कूल योग्य शिक्षकों के बरीर संवालिंत हो रहे हैं। इससे सीखने की उम्र में बच्चे कुछ भी ग्रहण नहीं कर पा रहे हैं। पढ़ाई का बुनियादी ढांचा इस तरह कमजोर होना चिंताजनक है। छोटी कक्षाओं में सही तरीके से पढ़ाई हो तो बड़ी कक्षा में विषय समझ में आता है। यदि 9वीं का छात्र कमजोर रहेगा तो आगे चलकर 10वीं बोर्ड की परीक्षा कैसे पास कर पाएगा? सर्वेक्षण के नतीजे तो आ गए लेकिन उसके आधार पर अगली कार्रवाई होना आवश्यक है। न्यूनताओं में आवश्यक सुधार कर शिक्षा का स्तर सुधारने को प्राथमिकता दी जाए। महाराष्ट्र में बच्चे मराठी में कच्चे पाए गए हैं मार्च 2025 के 10वीं के नतीजों के मुताबिक राज्य में प्रथम भाषा के तौर पर मराठी की परीक्षा देनेवाले 63658 बच्चे 35 अंक भी हासिल नहीं कर पाए।

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्दी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11965 - डॉ. सागर खादीवाला

| | | | | |
|----|----|----|----|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 6 | | 7 | | 8 |
| 10 | | | 11 | |
| | | 12 | 13 | |
| | 14 | 15 | 16 | |
| 17 | 18 | 19 | 20 | |
| | 21 | 22 | | |
| 23 | | 24 | | |

ऊपर से नीचे

- केंद्र सरकार की व्यवस्था में इस पद के निर्माण के लिए अना हजारे ने आंदोलन किया था
- पीड़ा, वेदना, टीस 3. गंदे जल के गहने का मार्ग 4. डर 5. प्रत्यक्ष, आमने-सामने (उर्दू) 7. डोली होने और पानी भरने का काम करने वाला 9. वस्त्र, पहनावा 12. गजल लिखने वाला 13. जहाज पर यात्रा करने वाला 14. साहूकार, महाजन 16. दुख, कष्ट, क्लेश (उर्दू) 17. अभियोगात्मक निंदा, पीट पीछे की हुई निंदा 18. प्रसिद्ध शिकारी एवं हिंसक पक्षी 20. धिक्कार, फटकार (उर्दू) 22. जेल, कारावास, काला

बाएं से दाएं

- किसी वस्तु या भूमि पर चिंत या पट होते हुए इधर-उधर होना 4. एक बाजा जिसके दोनों तरफ चमड़ा मड़ा होता है तथा बीच का भाग पलता होता है 6. सूर्य (सं.) 8. बरगुला 10. पवित्र (उर्दू) 11. बदसूरत 12. आवश्यकता 14. चाद-यंत्र, सामग्री आवश्यकता 15. चाद-यंत्र, सामग्री आवश्यकता 16. चाद-यंत्र, सामग्री आवश्यकता 17. हंसी-मजाक, मसखरापन 19. हुनर, आर्ट 21. काम, कार्य 22. बड़ा गलीचा 23. उत्तोलक, यकृत (अं.) 24. भलमानसहत (उर्दू)

Solution 11964

| | | | | | |
|----|----|------|-----|-----|----|
| य | श | ध | रा | अं | वि |
| खं | मं | अ | बा | धि | त |
| ना | रा | जे | श्व | र | र |
| का | ज | मं | गु | पा | |
| ह | या | आ | धा | ल | |
| त | प | श्री | ल | च | नि |
| च | ल | य | जु | वें | द |
| ल | ट | का | मं | न | दी |

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, अधिनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा, वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यों में संलग्नता रहेगी, व्यवसाय में वृद्धि होगी, आर्थिक लाभ होगा, उतावलेपन में लिये गये निर्णय हानिकारक रहेंगे, आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें, मित्र के सहयोग से उदासीनता दूर होगी।

मेघ और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को आर्थिक लाभ का योग है, व्यवसाय में

वृद्धि होगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों की सामाजिक कार्यों में संलग्नता रहेगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को अधिनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को उतावलेपन पर लिया गया निर्णय हानिकारक रहेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों के लिये व्यक्तित्व में विकास होगा, आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें।

मेघ - जीवनसाथी के साथ मतभेद रह सकते हैं, प्रापटी संबंधी विवाद के समाधान की संभावना है। आजीविका के प्रयासों में उन्नति होगी, सहस्र बरस रहेगा।

वृषभ - पारिवारिक अपेक्षाओं को पूरा करने में नाकाम रहेंगे, जिससे मित्रता आपक लिये हितकर रहेगी, यात्रा में थक सावधानी रखें।

मिथुन - कार्यक्षेत्र में अप्रत्याशित सफलता के आसार हैं, हाथ में लिया गया काम पूरा होगा, खानपान पर नियंत्रण रखकर कार्य करें, उदर विकार से कष्ट हो सकता है।

कर्क - सामाजिक कार्यक्रमों में आपकी उपस्थिति नया उन्सा भर देगी, नरे को शुक्रांत हो सकती है, आमोद प्रमोद के सन्तानों में वृद्धि का योग है, संयम रखकर कार्य करें।

सिंह - बेहतर भविष्य के लिये आपको कुछ कठोर फैसले लेने पड़ सकते हैं, स्वास्थ्य का व्यायाम रखें। अतिथि रावणमन होगा, लाभ तथा यश प्राप्त होने का प्रबल योग है।

कन्या - खानपान में लापरवाही के चलते स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, नौकरी में तरकी का योग है।

वृश्चिक - संतान कार्यों में तथा लेखन सृजन के कार्यों में सफलता मिलेगी।

तुला - अधिकारियों से काम के संबंध में उचित आश्वासन मिलेगा, शौचता में कोई निर्णय न लें।

नवीन निर्माण कार्यों में उन्नति होगी, संयम से कार्य करना हितकर रहेगा।

वृश्चिक - आप दूसरों के सहयोग के लिये हमेशा तैयार रहेंगे, साहस, पराक्रम एवं कामकाज के प्रति उत्साह रहेगा। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मित्रता उपयोगी रहेगी।

धनु - प्रस्तावित योजनाएं बाधित हो सकती हैं, सूची बातों पर कोई निर्णय न लें। मित्रों एवं कुटुंबियों के सहयोग से आर्थिक समस्या दूर होगी। सतर्कता रखें।

मकर - नए संपर्कों में सावधानी बरतें, लोग विश्वास में लेकर धोखा दे सकते हैं। मार्गलिक कार्यों पर खर्च होगा, मनोरंजन, आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

कुम्भ - घरलू उलझने परेशान करेंगे, नकारात्मक सोच से बना बनाया काम बिगड़ सकता है। विशेष श्रम एवं प्रयास करने से सफलता प्राप्त होगी, संयम रखें।

मीन - आप रिश्तों को सहज रखने की कोशिश करेंगे, जिसका कुछ लोग अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करेंगे, सोचे हुये कार्यों में सफलता प्राप्त होगी।

आज जन्म शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान, विनोदी, चतुर, चंचल तथा स्वविवेकी होगा, इनकी शिक्षा उत्तम रहेगी। ये शीघ्र ही किसी से भी मित्रता कर लेते हैं। माता पिता के प्रति इनका झुकाव रहेगा।

उद्युकालीन ग्रह चाल

| | | | | |
|---|----------------|---|-----|---|
| 8 | के.7 शु. च.शु. | 6 | शु. | 5 |
| 9 | | 4 | | |
| | 10 | | | |
| | | 1 | | |
| | 12 | | 2 | 3 |

पंचांग

रा.मि. 26 संवत् 2082 श्रावण कृष्ण सप्तमी गुरुवासरं शाम 5/47, रेवती नक्षत्रे रात 3/8, अतिगण्ड योगे दिन 9/57, विष्टि करणे सू.उ. 5/17 सू.अ. 6/43, चन्द्रचार मीन रात 3/8 से मेघ, शु.रा. 12,2,3,6,7,10 अ.रा. 1,4,5,8,9,11 शुभांक- 5,7,1.

व्यापार भविष्य

श्रावण कृष्ण सप्तमी को रेवती नक्षत्र के प्रभाव से गुड, खांड, जौ, गेहूँ, चना, रूई कपास, चाँदी, सोना के भाव में मंदी होगी। जीरा, धनियाँ के भाव पूर्ववत् रहेंगे। वायदा विचारा आज 11 बजकर 10 मिनट से 20 मिनट रूख पर व्यापार करना लाभप्रद रहेगा. भाग्यांक 3116 है.

SUDOKU 7097

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | 2 | | | 4 |
| | | 6 | | | 1 |
| 5 | 8 | | 2 | | 3 |
| | 7 | | | 6 | |
| | 3 | | 8 | | |
| 1 | 6 | | 3 | 7 | |
| 2 | | | 5 | | |
| 8 | | | 4 | | |

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें। पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते। पहले की का केवल एक ही हल है।

नवभारत सू-दो-कु 7096

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 5 | 4 | 3 | 1 | 9 | 7 | 2 | 8 |
| 8 | 7 | 2 | 3 | 5 | 4 | 9 | 6 | 1 |
| 9 | 8 | 1 | 7 | 2 | 6 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | 7 | 2 | 8 | 3 | 2 | 5 | 9 | 4 |
| 4 | 3 | 8 | 9 | 6 | 5 | 1 | 7 | 6 |
| 5 | 6 | 9 | 4 | 7 | 1 | 8 | 3 | 2 |
| 2 | 8 | 7 | 1 | 4 | 3 | 6 | 5 | 9 |
| 9 | 1 | 6 | 2 | 5 | 7 | 4 | 8 | 3 |
| 3 | 4 | 5 | 6 | 9 | 8 | 2 | 1 | 7 |